



Saarth E-Journal

Saarth E-Journal of Research

E-mail : sarthejournal@gmail.com

www.sarthejournal.com

ISSN NO : 2395-339X
Peer Reviewed
Vol.8 No.8

Impact Factor
Quarterly
Jan-Fb-March2023

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में एनईपी २०२० का महत्व

नलिना आहीर

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० इक्कीसवीं सदी की पहली शिक्षा नीति है, जिसका उद्देश्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है। नीति का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और मूल्यों के आधार पर नियामक और शासन पहलुओं सहित भारतीय शिक्षा प्रणाली के सभी पहलुओं में सुधार और पुनर्गठन करना और 21वीं सदी की शिक्षा के अनुरूप सतत विकास लक्ष्यों SDG-4 (Sustainable Development Goals) के लिए एक नई शिक्षा नीति बनाना है। एनईपी २०२० प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मकता क्षमताओं के विकास पर विशेष जोर देती है। यह नीति इस सिद्धांत पर आधारित है कि शिक्षा को न केवल साक्षरता और संख्या ज्ञान का विकास करना चाहिए बल्कि तर्क और समस्या समाधान से संबंधित उच्च संज्ञानात्मक क्षमताओं का भी विकास करना चाहिए।

मुख्य शब्द: एनईपी 2020 की शुरुआत और महत्व, सिद्धांत, पेशेवर मार्गदर्शन, कौशल, चुनौतियां।

परिचय:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० में २१वीं सदी के छात्रों के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित एक नई प्रणाली बनाने के लिए शैक्षिक संरचना, विनियमों और शासन सहित शिक्षा के सभी पहलुओं में बदलाव और सुधार का प्रस्ताव है। नीति के अनुसार २०२५ तक स्कूल

और उच्च शिक्षा प्रणालियों के माध्यम से कम से कम ५०% शिक्षार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा से अवगत कराया जाएगा, जिसके लिए लक्ष्य और समयसीमा के साथ एक स्पष्ट कार्य योजना विकसित की जानी है। नीति का उद्देश्य सभी शैक्षणिक संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ी सामाजिक स्थिति की प्रथा को समाप्त करना और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करना है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय में कम उम्र में व्यावसायिक जोखिम के साथ शुरू करके, गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा को आसानी से स्कूल और उच्च शिक्षा में एकीकृत किया जाएगा। प्रत्येक बच्चा कम से कम एक व्यवसाय सीखेगा और यह सभी के लिए उपलब्ध है। यह श्रम की गरिमा और भारतीय कला और शिल्प से जुड़े विभिन्न व्यवसायों के महत्व पर जोर देगा। २०२५ तक, कम से कम ५०% शिक्षार्थी स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करेंगे, जिसके लिए एक स्पष्ट कार्य योजना है।

अगले दशक में व्यावसायिक शिक्षा को चरणबद्ध तरीके से सभी माध्यमिक विद्यालयों के शैक्षिक प्रस्तावों में एकीकृत किया जाएगा। व्यावसायिक योग्यताओं का विकास 'अकादमिक' या अन्य योग्यताओं के विकास के साथ-साथ होगा। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, माध्यमिक विद्यालयों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के साथ सहयोग करना होगा। पॉलिटेक्निक, स्थानीय उद्योग आदि। स्कूलों में हब एंड स्पोक मॉडल में कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित और निर्मित की जाएंगी, जिससे अन्य स्कूल इस सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। उच्च शिक्षा संस्थान स्वयं या उद्योग और अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करेंगे।

शिक्षा मंत्रालय ने ५ से १७ सितंबर, २०२१ तक "गुणवत्ता और सतत शिक्षा" विषय पर शिक्षा पर्व २०२१-२२ का आयोजन किया। शिक्षा मेले के दौरान, विभिन्न उप-विषयों पर दस (१०) सेमिनार आयोजित किए गए, जिनमें से एक "व्यावसायिक शिक्षा और कौशल निर्माण की पुनर्कल्पना" थी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की अनुशंसाएँ:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निम्नलिखित अनुशंसाएँ की गई हैं:

- शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों के बीच के अंतर को दूर करने के लिए कला और विज्ञान के पाठ्यक्रमों, गतिविधियों और पेशेवर और शैक्षणिक धाराओं आदि के बीच कोई कठोर विभाजन नहीं होना चाहिए। (ऋ. शि. नीति. २०२०: सिद्धांत)
- सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस राष्ट्रीय प्रयास किया जाएगा कि देश के सभी बच्चों को प्री-स्कूल से लेकर 12वीं कक्षा तक - व्यावसायिक शिक्षा सहित - गुणवत्तापूर्ण व्यापक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिले। (ऋ. शि. नीति. पैरा ३.१)
- माध्यमिक चरण शामिल किया जाएगा। चार साल का उच्च गुणवत्ता वाला अध्ययन, मध्य चरण की विकासात्मक शिक्षाशास्त्र और पाठ्यक्रम शैली पर निर्माण, लेकिन

जीवन की आकांक्षाओं, लचीलेपन और विषयों की छात्र पसंद पर अधिक गहराई के साथ। विशेष रूप से, छात्रों के पास कक्षा १० के बाद छोड़ने और अधिक विशिष्ट स्कूल में फिर से प्रवेश करने का विकल्प बना रहेगा यदि वे बाद में कक्षा ११-१२ में उपलब्ध व्यावसायिक या किसी अन्य पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहते हैं। (ऋ. शि. नीति. पैरा ४.२)

- विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अधिक लचीलापन और विषयों की पसंद दी जाएगी, विशेष रूप से माध्यमिक विद्यालय में जिसमें शारीरिक शिक्षा, कला और शिल्प और व्यावसायिक कौशल के विषय शामिल हैं। ताकि वे अपना अध्ययन पथ और जीवन योजना स्वयं बना सकें। (ऋ. शि. नीति. पैरा ४.९)
- माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कम उम्र में व्यावसायिक जोखिम के साथ शुरुआत सहित मुख्यधारा की शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों का चरणबद्ध एकीकरण। (ऋ. शि. नीति. पैरा १६.४)
- 'लोकविद्या', यानी भारत में विकसित महत्वपूर्ण व्यावसायिक ज्ञान, व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में एकीकरण के माध्यम से छात्रों के लिए सुलभ बनाया जाएगा। (ऋ. शि. नीति. पैरा १६.५)
- अगले दशक में व्यावसायिक शिक्षा को चरणबद्ध तरीके से सभी स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों में एकीकृत किया जाएगा। कौशल अंतराल विश्लेषण और स्थानीय अवसरों की मैपिंग के आधार पर व्यावसायिक शिक्षा के लिए विशिष्ट क्षेत्रों का चयन किया जाएगा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय के रूप में नया नाम) इस प्रयास की निगरानी करेगा, व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक राष्ट्रीय समिति जिसमें व्यावसायिक शिक्षा विशेषज्ञ और सभी मंत्रालयों के प्रतिनिधि बनेंगे। (ऋ. शि. नीति. पैरा १६.६)
- शुरुआती अपनाने वाले व्यक्तिगत संगठनों को काम करने वाली विधियों और प्रथाओं को खोजने के लिए नवाचार करना चाहिए और फिर उन्हें NCIVA द्वारा स्थापित ढांचे के माध्यम से अन्य संगठनों के साथ साझा करना चाहिए, ताकि पेशेवर शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिल सके। उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षु उम्मीदवारी के विभिन्न तरीकों का भी प्रयोग किया जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्योग के सहयोग से अधिग्रहण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। (ऋ. शि. नीति. पैरा १६.७)
- राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा प्रत्येक प्रकार के व्यवसाय के लिए अधिक विस्तृत होगा। इसके अलावा, भारतीय मानकों को अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा बनाए गए व्यवसायों के अंतर्राष्ट्रीय मानक वर्गीकरण के साथ जोड़ा जाएगा। यह रूपरेखा पूर्व शिक्षा की मान्यता के लिए एक आधार प्रदान करेगी। जबकि यह औपचारिक प्रणाली से ड्रॉपआउट्स को उनके व्यावहारिक बुनियादी ढांचे के संबंधित स्तरों के साथ

संरक्षित करके फिर से एकीकृत करेगा, क्रेडिट-आधारित बुनियादी ढांचा भी 'सामान्य' और व्यावसायिक शिक्षा में गतिशीलता की सुविधा प्रदान करेगा।(ऋ. शि. नीति. पैरा १६.८)

व्यावसायिक प्रशिक्षण के उद्देश्य:

- शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान, प्रयोगों और विधियों से परिचित कराना।
- शिक्षक की पेशेवर समझ और क्षमता का विकास करना।
- शिक्षक के दैनिक शिक्षण कार्य के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं से परिचित होना और उसके लिए व्यावहारिक समाधान खोजना।
- वैश्वीकरण की चुनौतियों और इससे उत्पन्न होने वाले परिवर्तनों से परिचित होना।
- पाठ्यक्रमों में बदलाव के साथ-साथ विभिन्न तकनीकों से अवगत रहना।
- विभिन्न गतिविधियों आदि पर मार्गदर्शन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भविष्य:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० देश में व्यावसायिक शिक्षा के संभावित विस्फोटक विकास का सुझाव देती है क्योंकि इसके लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों को व्यावसायिक शिक्षा को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता है। आने वाले दशक में, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के बहुत बड़ी संख्या में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) प्रदाताओं की श्रेणी में लाने और लाखों छात्रों को वीईटी उपलब्ध कराने की संभावना है। वीईटी के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियाँ और उन चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं।

चुनौतियां	कार्य
व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े सामाजिक स्थिति भेदभाव को खत्म करना।	➤ व्यावसायिक शिक्षा के प्रति आम धारणा और दृष्टिकोण को बदलने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन। ➤ कक्षा ६ से लेकर सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए व्यावसायिक संपर्क। ➤ सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) और मीडिया अभियान। ➤ व्यावसायिक शिक्षा और पाठ्यक्रमों पर बुकलेट / पत्रक का वितरण और वीडियो शो की तैयारी।
सामाजिक समावेश, लैंगिक समानता और	➤ प्री-स्कूल से कक्षा १२ तक कौशल

समावेशी शिक्षा पर ध्यान देने के साथ सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करना।	आधारित गतिविधियों का परिचय। ➤ पेशेवर ज्ञान और कौशल की बढ़ी हुई सामग्री, कौशल मानकों और अंतःविषय सामग्री लिंकेज के साथ बेहतर पाठ्यक्रम संरेखण के माध्यम से पाठ्यक्रम में सुधार। ➤ प्रशिक्षु उम्मीदवारों के ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यस्थल से संबंधित कौशल और दृष्टिकोण विकसित करना। ➤ कक्षा ८वीं में वोकेशनल इंट्रेस्ट इन्वेंटरी और १०वीं कक्षा में स्किल बेस्ड एप्टीट्यूड टेस्ट (एसबीएटी) की शुरुआत छात्रों को उज्ज्वल कैरियर विकल्प बनाने के लिए मार्गदर्शन करने के लिए। ➤ यह सुनिश्चित करना कि योग्यताएं सामाजिक और आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप हों। ➤ राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) को सहमत सीखने के परिणामों द्वारा परिभाषित किया जाना चाहिए और सभी संस्थानों में लगातार लागू किया जाना चाहिए। ➤ शिक्षण-अधिगम में शिक्षकों द्वारा अच्छी प्रथाओं और नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करना। ➤ वीडिटी में निजी क्षेत्र की भागीदारी और वित्त पोषण सुनिश्चित करना।
व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से स्कूलों में लोकसाहित्य (स्वदेशी ज्ञान और कौशल) का परिचय।	➤ स्वदेशी प्रथाओं पर छात्रों के लिए नौसिखिए उम्मीदवारों को संगठित करने के लिए स्थानीय पेशेवर शिल्प की पहचान करना। ➤ स्थानीय विशेषज्ञों की पहचान करना और

	छात्रों के लिए नौसिखिए उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करना। ➤ अनौपचारिक नौसिखिए उम्मीदवारों के कार्यक्रमों के माध्यम से पेशेवर प्रदर्शन के लिए सामुदायिक और उद्योग साझेदारी।
स्कूलों में व्यावसायिक छात्रों की गतिशीलता को सुगम बनाना।	➤ कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हब और स्पोक मॉडल के माध्यम से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, पॉलिटेक्निक, स्थानीय व्यवसायों, उद्योगों, अस्पतालों, कृषि फार्मों, स्थानीय कारीगरों और गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करना।
स्कूलों में नए युग के कौशल, 21वीं सदी के कौशल और उद्यमिता शिक्षा को एकीकृत करना।	➤ स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में रोजगार कौशल को एकीकृत करना। ➤ उद्योग 4.0 के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए वीडिटी में नई तकनीक को एकीकृत करना ➤ उद्योग की नई और उभरती हुई कौशल मांगों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे और उद्यम शिक्षा को मानक 6 से आगे बढ़ाया जाएगा।
ऑनलाइन और ओपन प्रोफेशनल लर्निंग को बढ़ावा देना।	➤ शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए सीखने के नए तरीके और डिजिटल उपकरण, जैसे मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOC), फ्लिपड लर्निंग और वर्चुअल लर्निंग विधियों का उपयोग किया जाएगा।
समग्र मूल्यांकन और मूल्यांकन प्रणाली का विकास और कार्यान्वयन।	➤ विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में सीखने के लिए विशेष योग्यता या तैयारी को मापने के लिए रुचि मूल्यांकन और योग्यता परीक्षण आयोजित करें।

	➤ छात्रों के 360 डिग्री मूल्यांकन और मूल्यांकन के लिए विभिन्न उपकरणों और विधियों जैसे चेकलिस्ट, समूह कार्य, सहकर्मि मूल्यांकन, कार्यपत्रकों, प्रस्तुतियों, छात्र पोर्टफोलियो आदि के माध्यम से सीखने के परिणामों की उपलब्धि को मापना।
पेशेवर छात्रों की लंबवत गतिशीलता को बढ़ावा देना।	➤ नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) या नेशनल हायर एजुकेशन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएचईक्यूएफ) के तहत पाठ्यक्रम स्कूल स्तर पर व्यावसायिक विषयों वाले छात्रों को गतिशीलता प्रदान करेगा।
गुणवत्तापूर्ण पेशेवर शिक्षक तैयार करने के लिए पेशेवर प्रशिक्षण सुनिश्चित करना।	➤ शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण का उपयोग करके पेशेवर शिक्षकों की क्षमता का विकास करना। ➤ राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) और जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) द्वारा पेश किए जाने वाले ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से पेशेवर शिक्षकों/अनुदेशकों को तैयार करने के लिए सेवा-पूर्व प्रशिक्षण और अल्पावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। क्लस्टर संसाधन केंद्रों (सीआरसी), ब्लॉक संसाधन केंद्रों (बीआरसी) और डाइट में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्न व्यवसायों में बाहरी प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। ➤ यह सुनिश्चित करना कि व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदाता सामान्य मानकों के आधार पर संस्थानों में गुणवत्ता मानकों

	को पूरा करते हैं। ➤ वीईटी संस्थानों और उद्योग या अनुसंधान संस्थानों के बीच साझेदारी के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण में नवाचार को बढ़ावा देना।
--	--

निष्कर्ष:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सभी स्तरों पर शिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता और पेशेवर कौशल को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक शिक्षा और शिक्षकों की क्षमता विकास को उचित महत्व दिया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सामान्य मानकों और कौशल मानकों को पूरा करने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पहचान, डिजाइन और विकास के माध्यम से वीईटी की गुणवत्ता में वृद्धि करना। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की मन््यता और प्रदाताओं के पंजीकरण से वीईटी कार्यक्रमों की गुणवत्ता और स्थिरता भी बढ़ेगी और इसमें शिक्षक चयन और भर्ती, छात्र चयन, पाठ्यक्रम वितरण, मूल्यांकन और छात्र योग्यता शामिल होनी चाहिए। समग्र रूप से वीईटी प्रणाली के प्रशासन और प्रबंधन और छात्र सहायता सेवाओं के प्रावधान के लिए सभी स्तरों यानी राष्ट्रीय, राज्य, जिला और संस्थागत स्तरों पर हितधारकों की क्षमता विकास की एक मजबूत प्रणाली की आवश्यकता होगी। VET कार्यान्वयन के शैक्षणिक और अन्य पहलुओं में प्रभावशीलता को बढ़ावा देने के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों में विभिन्न संस्थानों में दोहराए जा सकने वाले विशिष्ट मानदंडों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विभिन्न स्तरों पर व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सर्वोत्तम प्रथाओं को पहचानने और साझा करने की आवश्यकता है।

संदर्भग्रंथ सूची:

1. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 गांधीनगर : भारतीय शिक्षा संस्थान।
2. शाह, डी.बी. (2004)। शैक्षिक अनुसंधान। (द्वितीय संस्करण), अहमदाबाद: ग्रंथ निर्माण बोर्ड।
3. <https://www.policeresults.com/new-education-policy-nep/>
4. <https://masterjeeonline.com/2021/12/national-education-policy-2020/>
5. https://nep2020.hinsoli.com/2020/08/2020_18.html
6. <https://www.orfonline.org/hindi/research/putting-vocational-education-centre-stage-in-the-implementation-of-nep-2020/>
7. <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1642109>
8. https://www.ugc.ac.in/pdfnews/0144334_hindi_he-final-31072020.pdf

नलिना आहिर

